

27-319

पत्रावली पेश हुई अर्थात् कौ-बाद-बाद  
आवाज लगाई गई। बावजूद आवाज के  
कोई उप-नती 'आवाज' आपीत द्रुत  
हाथी प्र-स्वादि की जाती की पत्रावली  
द्वारा वरुण के



पत्रावली कार्यालय